भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 1887

16 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

अगले राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण का आयोजन

1887. श्रीमती सुधा मूर्तीः

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि;

(क) क्या सरकार ने यह ध्यान में रखते हुए कि पिछला राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण वर्ष 2015-16 में किया गया था, उक्त सर्वेक्षण के अगले चरण को आयोजित करने पर विचार किया है;
(ख) यदि हाँ, तो विशेषकर महामारी के बाद देखी गई मानसिक स्वास्थ्य प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए आगामी सर्वेक्षण की प्रस्तावित समय-सीमा और दायरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इस तरह के निर्णय पर पहुँचने हेतु उत्तरदायी कारक कौन-से हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग) भारत का राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएमएचएस), 2015-16 सरकार द्वारा राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स), बेंगलुरु के माध्यम से देश के 12 राज्यों अर्थात् केरल, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, झारखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, असम और मणिपुर में आयोजित किया गया था। एनएमएचएस, 2015-16 में 12 राज्यों में 18 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति और 4 राज्यों में किशोर (13 से 17 वर्ष) शामिल थे।

सरकार ने राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2 (एनएमएचएस 2) का अगला चरण बेंगलुरु स्थित राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हान्स) के माध्यम से शुरू कर दिया है। इसमें सभी राज्यों (28) और संघ राज्य क्षेत्रों (8) के किशोरों (13 से 17 वर्ष) और 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी वयस्कों को शामिल किया गया है। एनएमएचएस 2 का फोकस बढ़ाकर मानसिक रोगों से संबंधित जन स्वास्थ्य प्राथमिकताओं पर किया गया है, जिसमें बच्चों और महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य, वृद्धावस्था के मानसिक स्वास्थ्य, प्रवासन, जलवायु परिवर्तन, जनजातीय आबादी में मानसिक स्वास्थ्य और आपदाओं के दौरान मानसिक स्वास्थ्य परिचर्या जैसे अतिसंवेदनशील आबादी से संबंधित विषयगत अध्ययन शामिल हैं।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2 (एनएमएचएस 2) के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

i. राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के लिए भार संबंधी अनुमान लगाना और प्रतिनिधि आबादी में मानसिक स्वास्थ्य विकारों के राष्ट्रीय अनुमानों को एकत्रित करना,

ii.दिव्यांग्ता, सामाजिक-आर्थिक प्रभाव, जिसमें बीमारी का व्यक्तिगत और पारिवारिक भार, परिचर्या के तरीके और सेवा उपयोग संबंधी पैटर्न शामिल हैं, की पहचान करना,

iii. अतिसंवेदनशील और/या विशेष आबादी के संदर्भ में मानसिक विकारों/बीमारियों का विवरण देना।

iv. मानसिक स्वास्थ्य परिचर्या के लिए स्वास्थ्य प्रणाली का आकलन और संसाधन मानचित्रण करना।

*****